

## १५. हे जनशक्ति महान !

### प्रस्तावना

रांगेय राघव

(जन्म : सन् 1923, निधन : सन् 1962)

\* रांगेयजी द्वारा लिखा गया साहित्य मात्रा की दृष्टि से ही नहीं, परन्तु गुणवत्ता की दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। वे कवि, उपन्यासकार, विचारक तथा कहानीकार हैं। इनकी कहानियाँ और उपन्यास की बात करे तो 'रामानुज', 'घरौंदा', 'विषादमठ', 'लोई का ताना', 'पक्षी और आकाश', 'कब तक पुकारूँ', 'राई का पर्वत', 'पथ का पाप', 'मुर्दों का टीला' आदि का समावेश होता है। 'मेधावी' उनका प्रबंध काव्य है तथा 'पिघलते पत्थर', 'राह के दीपक' में उनकी कविताएँ संकलित हैं। आइए हम रांगेय जी द्वारा रची गयी ये कविता लिखते हैं जिसमें उन्होंने भारत की जनशक्ति को जगाने का आह्वान किया है।

### स्वाध्याय

१. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर खाली जगह भरिए :

१. जनशक्ति की चेतना द्वारा भारत में \_\_\_\_\_ लाना चाहिए।

( अ ) नवचेतना

( ब ) परिवर्तन

( क ) महाक्रांति

( ड ) नवयुग

२. हम हैं नवयुग के \_\_\_\_\_।

( अ ) निर्माता

( ब ) वाहक

( क ) अग्रदूत

( ड ) पहरेदार

२. निम्नलिखित प्रश्नों के दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. कवि ने जनशक्ति को संबोधन करते हुए क्या कहा है ?

उत्तर : कवि ने जनशक्ति को जगाने का आह्वान किया है। उन्होंने जनशक्ति को संबोधित करते हुए कहा है कि वह खुद जागृत हो जाए और दूसरों को भी जागरूक करे, ताकि लोगों में चेतना पैदा की जा सके और पृथ्वी पर नए स्वर्ग की रचना हो

तथा लोग उसमे सुख – शांति से रहे ।

**२. महाजागरण गर्जन से किसकी प्राप्ति होगी ?**

उत्तर : कवि कहते हैं कि हमें इस धरती पर स्वर्ग की रचना करनी है इसीलिए हमें महाजागरण का महान अभियान चलना है । इससे हम लोगों में लगातार चेतना लाकर किसानों – मजदूरों को जागृत करेंगे । इस प्रकार महाजागरण गर्जन से देश में चेतना आएगी ।

**३. हम नवयुग के अग्रदुत कैसे बन सकते हैं ?**

उत्तर : हम लोग अपने अंदर से असंतोष की भावना दूर करके उसमें संतोष की भावना पैदा करेंगे । पृथ्वी पर लोगों को स्वर्ग जैसी सुविधा प्रदान करेंगे । हम लोगों का मार्गदर्शन करते हुए अग्रदुत बन सकते हैं ।

**३. निम्नलिखित प्रश्नों के सविस्तार उत्तर लिखिए :**

**१. कवि ने मजदूर एवं किसान को क्या प्रेरणा दी है ?**

उत्तर : किसान और मजदूर अपनी मेहनत से अनाज का उत्पादन करते हैं उसमें ही अनन्य वस्तुओं का निर्माण होता है और जनता की जरूरियाँ पूरी होती हैं । कवि ने किसान और मजदूर के श्रम को प्रणाम कर उन्हें जाग्रत होने की प्रेरणा दी है ।

**२. ' हे जनशक्ति महान ' गीत के माध्यम से कवि ने जनमानस को क्या संदेश दिया है ?**

उत्तर : ' हे जनशक्ति महान ' से कवि ने जनता को जागरूक बनकर दूसरों में जागरूकता पैदा करने का संदेश दिया है । वो पृथ्वी पर स्वर्ग जैसी सुविधा पैदा करना चाहते हैं । वे लोगों में समानता की भावना प्रसार करना चाहते हैं ।

**४. निम्नलिखित शब्दों के दो – दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :**

अविराम	-	अविरत, निरंतर
मेघा	-	बुद्धि, प्रतिभा
अभिमान	-	घमंड, अहंकार
जलधि	-	सागर, समुद्र

५. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

संतोष × असंतोष

निर्माण × विनाश

प्रकाश × अंधकार

विजय × पराजय

६. निम्नलिखित शब्दों की संधि – विच्छेद कीजिए :

उन्नति - उन + नति

नाविक - नौ + ईक

विजयोंन्मादी - विजय + उन्मादी

